Question

Q1. Under the influence of the Greeks, which of the following art styles flourished in India?
यूनानियों के प्रभाव में, निम्नलिखित में से कौन-सी कला शैली भारत में फली-फूली?

[SSC MTS 2024]

A. Kandhar / कंधार
B. Gandhar / गंधार
C. Mathura / मथुरा
D. Amravati / अमरावती

SOLUTION

Correct Answer is Gandhar

- Under Greek influence, the Gandhara art style flourished in India. / यूनानी प्रभाव के तहत, भारत में गांधार कला शैली का विकास हुआ।
- This art style developed from the 1st century BCE to the 4th century CE and was primarily centered in the Gandhara region of present-day Pakistan and Afghanistan./ यह कला शैली पहली शताब्दी ईसा पूर्व से चौथी शताब्दी ईस्वी तक विकसित हुई और मुख्य रूप से वर्तमान पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के गांधार क्षेत्र में केंद्रित थी।
- The most significant feature of Gandhara art was the creation of human-form statues of Buddha. / गांधार कला की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता बुद्ध की मानव-रूपी मूर्तियों का निर्माण था।
- Gandhara art is also known as Greco-Buddhist art. / गांधार कला को ग्रीको-बौद्ध कला के रूप में भी जाना जाता है।

Question

Q2. Which of the following rivers flowed through Magadha?

निम्नलिखित नदियों में से कौन-सी मगध से होकर बहती थी?

[SSC CHSL 2022]

A. Ganga and Krishna / गंगा और कृष्णा

B. Krishna and Tungabhadra / कृष्णा और तुंगभद्रा

C. Ganga and Son / गंगा और सोन

D. Narmada and Tapi / नर्मदा और ताप्ती

SOLUTION

Correct Answer is Ganga and Son

- Magadha was a powerful mahajanapada (kingdom) in ancient India located in present-day Bihar./ मगध प्राचीन भारत का एक शक्तिशाली महाजनपद था जो वर्तमान बिहार में स्थित था।
- Its initial capital was Rajgir and later Pataliputra. / इसकी प्रारंभिक राजधानी राजगीर और बाद में पाटलिपुत्र थी।
- The Ganga River flowed through the northern part of the Magadha empire and was crucial for trade and transportation. / गंगा नदी मगध साम्राज्य के उत्तरी भाग से होकर बहती थी और व्यापार एवं परिवहन के लिए महत्वपूर्ण थी।

SOLUTION

- The Son River, a major tributary of the Ganga, flowed through the southern region of Magadha./ गंगा की एक प्रमुख सहायक नदी, सोन नदी, मगध के दक्षिणी क्षेत्र से होकर बहती थी।
- Both rivers played a vital role in the development of Magadha's agriculture, economy, and strategic position. / दोनों नदियों ने मगध की कृषि, अर्थव्यवस्था और सामरिक स्थिति के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- The availability of iron ore in this region aided in weapon manufacturing, enhancing military strength./ इस क्षेत्र में लौह अयस्क की उपलब्धता ने हथियार निर्माण में सहायता की और सैन्य शक्ति को बढ़ाया।

Question

Q3. The paintings in the Bagh caves belong to which of the following periods?
बाघ गुफाओं की चित्रकला निम्नलिखित में से किस काल से संबंधित है?

[RRB NTPC CBT 2]

A. Maukhari / मौखरी
B. Maurya / मौर्य
C. Chola / चोल
D. Gupta / गुप्त

SOLUTION

Correct Answer is Gupta

- The paintings in the Bagh caves belong to the Gupta period. / बाघ गुफाओं में मौजूद चित्रकारी गुप्त काल की है।
- These caves are located in the Dhar district of Madhya Pradesh and contain paintings related to Buddhism. / ये गुफाएँ मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित हैं और इनमें बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रकारी हैं।
- The Bagh cave paintings closely resemble the Ajanta cave paintings and excellently depict human emotions, nature, and religious themes. / बाघ गुफाओं के चित्र अजंता गुफा चित्रों से काफी मिलते-जुलते हैं और मानवीय भावनाओं, प्रकृति और धार्मिक विषयों को उत्कृष्ट रूप से दर्शाते हैं।
- These paintings are excellent examples of mural art and demonstrate the development of art during the Gupta era./ ये चित्र भित्ति चित्र कला के उत्कृष्ट उदाहरण हैं और गुप्त काल के दौरान कला के विकास को दर्शाते हैं।

Important Paintings / महत्वपूर्ण पेंटिंग्स

1. Ajanta – Maharashtra – Buddhist, Jataka tales, Gupta period.
   अजंता – महाराष्ट्र – बौद्ध, जातक कथाएँ, गुप्त काल।
2. Bagh – Madhya Pradesh – Similar to Ajanta, Buddhist influence.
   बाघ – मध्य प्रदेश – अजंता जैसी, बौद्ध प्रभाव।
3. Sittanavasal – Tamil Nadu – Jain theme, Pandya period.
   सित्तनवासल – तमिलनाडु – जैन विषय, पांड्य काल।
4. Badami – Karnataka – Hindu (Shaivite & Vaishnavite), Chalukya period.
   बादामी – कर्नाटक – हिंदू विषय, चालुक्य काल।
5. Ellora – Maharashtra – Hindu themes, Rashtrakuta period.
   एलोरा – महाराष्ट्र – हिंदू विषय, राष्ट्रकूट काल।
6. Armamalai – Tamil Nadu – Jain cave paintings.
   आर्मामलाई – तमिलनाडु – जैन गुफा चित्र।

7. Lepakshi – Andhra Pradesh – Vijayanagar period, mythological themes.

लेपाक्षी – आंध्र प्रदेश – विजयनगर काल, पौराणिक विषय।

8. Alchi – Ladakh – Tibetan Buddhist art.

अल्ची – लद्दाख – तिब्बती बौद्ध कला।

9. Tanjore – Tamil Nadu – Gold foil work, Nayaka period.

तंजौर – तमिलनाडु – सोने की परत, नायक काल।

10. Mughal Miniature – North India – Persian-Indian blend.

मुगल लघुचित्र – उत्तर भारत – फारसी-भारतीय मिश्रण।

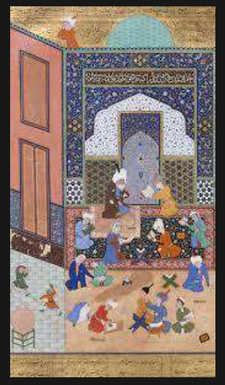

Question

Q4. Who among the following was an ancient Indian mathematician–astronomer?
निम्नलिखित में से कौन एक प्राचीन भारतीय गणितज्ञ–खगोलशास्त्री थे?

[SSC CGL 2021]

A. Amalananda / अमलानंद
B. Nagarjuna / नागार्जुन
C. Varahamihira / वराहमिहिर
D. Banabhatta / बाणभट्ट

SOLUTION

Correct Answer is Varahamihira

- **Varahamihira was a renowned ancient Indian mathematician and astronomer./** वराहमिहिर एक प्रसिद्ध प्राचीन भारतीय गणितज्ञ और खगोलशास्त्री थे।
- **He was one of the nine gems (Navaratnas) in the court of Emperor Chandragupta II (Vikramaditya) during the Gupta period./** वे गुप्त काल के दौरान सम्राट चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) के दरबार के नौ रत्नों (नवरत्नों) में से एक थे।
- **His major work 'Panchasiddhantika' describes five astronomical theories./** उनकी प्रमुख कृति 'पंचसिद्धांतिका' में पाँच खगोलीय सिद्धांतों का वर्णन है।

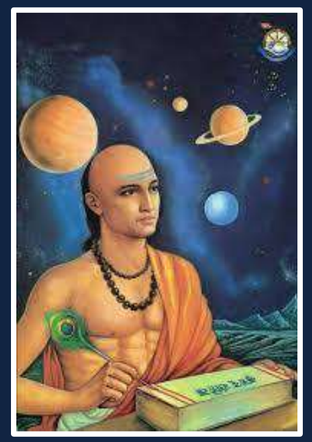

- 'Brihat Samhita' is another significant work covering astrology, astronomy, and mathematics. / 'बृहत् संहिता' ज्योतिष, खगोल विज्ञान और गणित पर आधारित एक अन्य महत्वपूर्ण कृति है।
- Varahamihira made important contributions to trigonometry and algebra./ वराहमिहिर ने त्रिकोणमिति और बीजगणित में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- He calculated the Earth's circumference and made accurate predictions about eclipses./ उन्होंने पृथ्वी की परिधि की गणना की और ग्रहणों के बारे में सटीक भविष्यवाणियाँ कीं।
- Aryabhata composed 'Aryabhatiyam' and introduced the concept of zero. / आर्यभट्ट ने 'आर्यभट्टीयम' की रचना की और शून्य की अवधारणा प्रस्तुत की।
- Brahmagupta wrote 'Brahmasphuta Siddhanta' and established mathematical rules./ ब्रह्मगुप्त ने 'ब्रह्मस्फुट सिद्धांत' लिखा और गणितीय नियमों की स्थापना की।
- Bhaskaracharya formulated mathematical principles in 'Siddhanta Shiromani'. / भास्कराचार्य ने 'सिद्धांत शिरोमणि' में गणितीय सिद्धांतों का सूत्रपात किया।

Question

Q5. Match the following:
निम्नलिखित का मिलान करें:

(UP Lower Sub. (Pre) 2002 / PCS (Pre) 2003)

List-I	List-II
A. Sarvavarma- सर्ववर्मा	1. Mitakshara — मिताक्षरा
B. Sudraka- शूद्रक	2. Rajtarangini — राजतरंगिणी
C. Vigyaneshwara- विज्ञानेश्वर	3. Mrichchhakatika — मृच्छकटिकम्
D. Kalhana- कल्हण	4. Katantra — कातंत्र

Select the correct option:

A. 4, 2, 1, 3
B. 1, 2, 3, 4
C. 2, 1, 3, 4
D. 4, 2, 3,1

SOLUTION

Correct Answer / सही उत्तर: (b) 4 3 1 2

- Sarvavarma was the author of the famous Sanskrit grammar text Katantra, which is a concise grammatical work. / सर्ववर्मा प्रसिद्ध संस्कृत व्याकरण ग्रंथ 'कातंत्र' के रचयिता थे, जो एक संक्षिप्त व्याकरणिक कृति है।
- Sudraka is credited with writing the renowned Sanskrit play Mrichchhakatika (The Little Clay Cart)/ शूद्रक को प्रसिद्ध संस्कृत नाटक मृच्छकटिक (छोटी मिट्टी की गाड़ी) लिखने का श्रेय दिया जाता है।
- Vigyaneshwara composed the significant legal commentary Mitakshara, based on Yajnavalkya Smriti, which became fundamental to Hindu law. / विज्ञानेश्वर ने याज्ञवल्क्य स्मृति पर आधारित महत्वपूर्ण कानूनी टीका 'मिताक्षरा' की रचना की, जो हिंदू विधिशास्त्र का आधार बन गई।
- Kalhana wrote the historical chronicle Rajtarangini, which details the history of Kashmir in Sanskrit verse and remains an important source for Kashmiri history./ कल्हण ने ऐतिहासिक वृत्तांत 'राजतरंगिणी' लिखा, जिसमें संस्कृत पद्य में कश्मीर के इतिहास का विवरण दिया गया है और यह कश्मीरी इतिहास का एक महत्वपूर्ण स्रोत बना हुआ है।

✅ Important Ancient Indian Books & Authors :

1. Arthashastra – Kautilya (Chanakya)/ अर्थशास्त्र – कौटिल्य (चाणक्य)
2. Indica – Megasthenes/ इंडिका – मेगास्थनीज
3. Mudrarakshasa – Vishakhadatta/ मुद्राराक्षस – विशाखदत्त
4. Rajatarangini – Kalhana/ राजतरंगिणी – कल्हण
5. Abhijnanasakuntalam – Kalidasa/ अभिज्ञानशाकुंतलम – कालिदास
6. Meghaduta – Kalidasa/ मेघदूत – कालिदास
7. Raghuvamsha – Kalidasa/ रघुवंश – कालिदास
8. Kumarasambhava – Kalidasa/ कुमारसंभव – कालिदास
9. Brihat Samhita – Varahamihira/ बृहत संहिता – वराहमिहिर
10. Panchatantra – Vishnusharma/ पंचतंत्र – विष्णुशर्मा
11. Manusmriti – Manu/ मनुस्मृति – मनु
12. Charaka Samhita – Charaka/ चरक संहिता – चरक

13. Sushruta Samhita – Sushruta/ सुश्रुत संहिता – सुश्रुत
14. Kamasutra – Vatsyayana/ कामसूत्र – वात्स्यायन
15. Astadhyayi – Panini/ अष्टाध्यायी – पाणिनि
16. Mahabhashya – Patanjali/ महाभाष्य – पतंजलि
17. Harshacharita – Banabhatta/ हर्षचरित – बाणभट्ट
18. Kadambari – Banabhatta/ कादंबरी – बाणभट्ट
19. Gaudavaho – Vakpatiraja/ गौडवहो – वाक्पति राज
20. Dashakumaracharita – Dandin/ दशकुमारचरित – दंडिन
21. Manimekalai – Sattanar/ मणिमेखलै – शात्तनार
22. Silappadikaram – Ilango Adigal/ शिलप्पदिकारम – इलंगो अडिगल
23. Thirukkural – Thiruvalluvar/ तिरुक्कुरल – तिरुवल्लुवर
24. Tolkappiyam – Tolkappiyar/ तोलकाप्पियम – तोलकाप्पियार

Question

Q6. Which of the following ancient books is based on surgery?

निम्नलिखित में से कौन-सा प्राचीन ग्रंथ शल्य चिकित्सा पर आधारित है?

[Constable Executive]

A. Manusmriti / मनुस्मृति

B. Samhita / संहिता

C. Charaka Samhita / चरक संहिता

D. Arthashastra / अर्थशास्त्र

SOLUTION

Correct Answer is Charaka Samhita

- **The Charaka Samhita is a foundational text of Ayurveda, the ancient Indian system of medicine, /** चरक संहिता आयुर्वेद, प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति का एक आधारभूत ग्रंथ है।
- **It primarily focuses on internal medicine, diagnosis, and therapeutics./** यह मुख्यतः आंतरिक चिकित्सा, निदान और चिकित्सा पर केंद्रित है।
- **It also contains references to surgical procedures./** इसमें शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं का भी उल्लेख है।
- **However, the most comprehensive ancient Indian text dedicated specifically to surgery is the Sushruta Samhita./** हालाँकि, शल्य चिकित्सा को समर्पित सबसे व्यापक प्राचीन भारतीय ग्रंथ सुश्रुत संहिता है।
- **Sushruta is regarded as the 'Father of Surgery'./** सुश्रुत को 'शल्य चिकित्सा का जनक' माना जाता है।
- **Charaka systematized Ayurveda, and his work details diagnosis, herbal medicine, and dietary regimens./** चरक ने आयुर्वेद को व्यवस्थित किया और उनके कार्यों में निदान, हर्बल औषधि और आहार संबंधी नियमों का विस्तृत विवरण दिया गया है।

Question

Q7. Which of the following temples is NOT an example of Nagara style of architecture?

निम्नलिखित में से कौन-सा मंदिर नागर शैली की वास्तुकला का उदाहरण नहीं है?

[SSC MTS 2024]

A. Lingaraja temple, Bhubaneshwar / लिंगराज मंदिर, भुवनेश्वर

B. Kailasha temple, Kanchipuram / कैलाश मंदिर, कांचीपुरम

C. Kandariya temple, Madhya Pradesh / कंदारिया मंदिर, मध्य प्रदेश

D. Sun temple, Konark / सूर्य मंदिर, कोणार्क

SOLUTION

Correct Answer is Kailasha temple, Kanchipuram

- The Nagara style is a major temple architecture style of Northern India./ नागर शैली उत्तरी भारत की एक प्रमुख मंदिर स्थापत्य शैली है।
- It characterized by features like the shikhara (curvilinear tower), garbhagriha (sanctum), and antarala (vestibule)./ इसकी विशेषताएँ शिखर (वक्रीय मीनार), गर्भगृह (गर्भगृह) और अंतराल (बरामदा) हैं।
- The Nagara style developed primarily in Northern India, with the panchayatana layout (main shrine surrounded by four subsidiary shrines) being a key feature./ नागर शैली मुख्यतः उत्तरी भारत में विकसित हुई, जिसमें पंचायतन संरचना (चार सहायक मंदिरों से घिरा मुख्य मंदिर) इसकी प्रमुख विशेषता थी।
- Lingaraja Temple (Bhubaneswar) and Kandariya Temple (Khajuraho) are classic examples of Nagara style./ लिंगराज मंदिर (भुवनेश्वर) और कंदरिया मंदिर (खजुराहो) नागर शैली के उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

- Sun Temple, Konark, with its massive chariot-shaped design, is also part of this style. Kailasha Temple, Kanchipuram is located in South India and represents the Dravidian style./ विशाल रथ के आकार का सूर्य मंदिर, कोणार्क, भी इसी शैली का हिस्सा है। कांचीपुरम का कैलाश मंदिर दक्षिण भारत में स्थित है और द्रविड़ शैली का प्रतिनिधित्व करता है।

- Dravidian Style of Architecture is identified by its vimana (pyramidal tower) and gopuram (monumental entrance tower)./ द्रविड़ वास्तुकला शैली की पहचान इसके विमान (पिरामिडनुमा मीनार) और गोपुरम (स्मारकीय प्रवेश द्वार) से होती है।
- The Vesara style (mixed style) was popular in the Deccan region, such as the Hoysaleswara Temple. / वेसर शैली (मिश्रित शैली) दक्कन क्षेत्र में लोकप्रिय थी, जैसे होयसलेश्वर मंदिर।

- These architectural styles reflect India's cultural diversity./ ये स्थापत्य शैलियाँ भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाती हैं।

- Chandela Dynasty built the Khajuraho temples. / चंदेल वंश ने खजुराहो के मंदिरों का निर्माण कराया।
- Narasimhadeva I (Eastern Ganga Dynasty) built the Sun Temple at Konark. / नरसिंहदेव प्रथम (पूर्वी गंगा वंश) ने कोणार्क में सूर्य मंदिर का निर्माण कराया।
- Krishna I (Rashtrakuta Dynasty) built the Kailasanatha Temple at Ellora. / कृष्ण प्रथम (राष्ट्रकूट वंश) ने एलोरा में कैलाशनाथ मंदिर का निर्माण कराया।

- Dilwara Temple (Rajasthan) is the only temple in India that blends all three architectural styles? दिलवाड़ा मंदिर (राजस्थान) भारत का एकमात्र ऐसा मंदिर है जिसमें तीनों स्थापत्य शैलियों का सम्मिश्रण है? →
- Brihadeeswarar Temple, Thanjavur is the most famous example of Dravidian style. / तंजावुर का बृहदेश्वर मंदिर द्रविड़ शैली का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है।

QUESTION

Q8. In the Great Stupa at Sanchi, there are _____ gateways known as 'Toranas' at the cardinal points of the compass.

सांची के महान स्तूप में दिशाओं के मुख्य बिंदुओं पर 'तोरण' नामक _____ द्वार बने हुए हैं।

[SSC MTS 2024]

A. 6

B. 2

C. 4

D. 5

Correct Answer is 4

- **The Great Stupa at Sanchi, located in Madhya Pradesh, is a prominent Buddhist monument. / मध्य प्रदेश में स्थित साँची का विशाल स्तूप एक प्रमुख बौद्ध स्मारक है।**
- **It features four magnificent 'Toranas' (gateways) positioned at the four cardinal points (North, South, East, West). / इसमें चार दिशाओं (उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम) पर स्थित चार भव्य 'तोरण' (द्वार) हैं।**

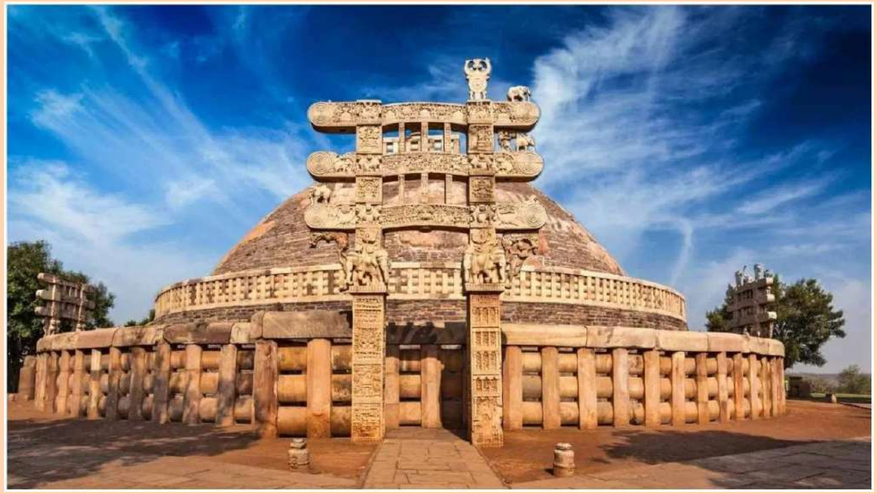

- These Toranas serve as ceremonial entrances and are intricately carved with sculptures and reliefs depicting scenes from the Buddha's life and Jataka tales. / ये तोरण औपचारिक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करते हैं और इन पर बुद्ध के जीवन और जातक कथाओं के दृश्यों को दर्शाती मूर्तियाँ और नक्काशीदार नक्काशी की गई है।
- They were constructed during the Shunga period (1st century BCE), following the decline of the Mauryan Empire. / इनका निर्माण मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद, शुंग काल (पहली शताब्दी ईसा पूर्व) में हुआ था।
- These gateways are exemplary of early Buddhist art and architecture./ ये प्रवेश द्वार प्रारंभिक बौद्ध कला और वास्तुकला के उदाहरण हैं।
- The Sanchi Stupa complex is designated as a UNESCO World Heritage Site. / साँची स्तूप परिसर को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है।

Question

Q9. In Andhra region, who among the following translated a few portions of Mahabharata in Telugu?

आंध्र क्षेत्र में, निम्नलिखित में से किसने महाभारत के कुछ भागों का तेलुगु में अनुवाद किया था?

[SSC CPO 2024]

A. Nanniah / नन्नय

B. Tikkanna / तिक्कन्न

C. Pampa / पम्पा

D. Kamban / कंबन

Correct Answer is Nanniah

- Nanniah Bhatt, revered as the 'Aadi Kavi' (First Poet) of Andhra Pradesh/ नन्नैया भट्ट, जिन्हें आंध्र प्रदेश के 'आदि कवि' (प्रथम कवि) माना जाता है।
- He translated the first two chapters (Adi Parva and Sabha Parva) of the Mahabharata into Telugu during the 11th century CE. / उन्होंने 11वीं शताब्दी ईस्वी के दौरान महाभारत के पहले दो अध्यायों (आदि पर्व और सभा पर्व) का तेलुगु में अनुवाद किया।
- Nanniah's translation was so significant that later poet Tikkanna completed the remaining portions./ नन्नैया का अनुवाद इतना महत्वपूर्ण था कि बाद के कवि टिक्कन्ना ने शेष अंशों को पूरा किया।
- Their collective work is known as the 'Andhra Mahabharatam' or 'Nanniah-Tikkanna Mahabharatam'./ उनकी संयुक्त रचना 'आंध्र महाभारतम्' या 'नन्नैया-टिक्कन्ना महाभारतम्' के नाम से जानी जाती है।

- In Telugu literary history, the 'Trinity of Poets' (Kavi Trayam) holds special significance, comprising Nanniah, Tikkanna, and Yerrapragada./ तेलुगु साहित्यिक इतिहास में, 'कवियों की त्रिमूर्ति' (कवि त्रयम) विशेष महत्व रखती है, जिसमें नन्नैया, टिक्कन्ना और येराप्रगदा शामिल हैं।
- Kamban was a Tamil poet who composed the 'Kamba Ramayanam'. / कंबन एक तमिल कवि थे जिन्होंने 'कंब रामायणम' की रचना की थी।
- Pampa is regarded as the 'Aadi Kavi' of Kannada literature and authored 'Vikramarjuna Vijaya' (Pampa Bharata) and 'Adi Purana'./ पम्पा को कन्नड़ साहित्य का 'आदि कवि' माना जाता है और उन्होंने 'विक्रमार्जुन विजया' (पम्पा भारत) और 'आदि पुराण' की रचना की है।

Question

Q10. Three Poets Pampa, Ponna and Ranna are called the 'Three Jewels' of ––––.

तीन कवि पम्पा, पोन्ना और रन्ना को ––––– के 'तीन रत्न' कहा जाता है।

[SSC CGL 2024]

A. Kannada Literature / कन्नड़ साहित्य

B. Telugu Literature / तेलुगु साहित्य

C. Tamil Literature / तमिल साहित्य

D. Sanskrit Literature / संस्कृत साहित्य

SOLUTION

Correct Answer is Kannada Literature

- Pampa, Ponna and Ranna are celebrated as the 'Three Jewels' (Ratnatraya) of Kannada literature. / पम्पा, पोन्ना और रन्ना को कन्नड़ साहित्य के 'तीन रत्न' (रत्नत्रय) के रूप में मनाया जाता है।
- These three poets flourished during the 10th century in the Western Chalukya court and made monumental contributions to Kannada literature./ ये तीनों कवि 10वीं शताब्दी के दौरान पश्चिमी चालुक्य दरबार में फले-फूले और कन्नड़ साहित्य में उल्लेखनीय योगदान दिया।
- Adikavi Pampa composed 'Vikramarjuna Vijaya' (Pampa Bharata) and 'Adi Purana'. / आदिकवि पम्पा ने 'विक्रमार्जुन विजय' (पम्पा भारत) और 'आदि पुराण' की रचना की।
- Ponna earned the title 'Ubhayakavi Chakravarti' and wrote 'Shanti Purana'. / पोन्ना ने 'उभयकवि चक्रवर्ती' की उपाधि अर्जित की और 'शांति पुराण' लिखा।

- Ranna was known as 'Kavi Chakravarti' and his masterpiece is 'Ajita Purana'. / रन्ना को 'कवि चक्रवर्ती' के नाम से जाना जाता था और उनकी उत्कृष्ट कृति 'अजिता पुराण' है।
- Kavirajamarga (850 CE) is considered the oldest available literary work in Kannada. / कविराजमार्ग (850 ई.पू.) को कन्नड़ में सबसे पुराना उपलब्ध साहित्यिक कार्य माना जाता है।
- Harisena composed 'Raghu Panchami'. / हरिषेण ने 'रघु पंचमी' की रचना की।
- Vidyapati wrote 'Karnataka Kadambari'. / विद्यापति ने 'कर्नाटक कादम्बरी' लिखी।
- Basaveshwara led the Veerashaiva movement in the 12th century and founded Vachana literature. / बसवेश्वर ने 12वीं शताब्दी में वीरशैव आंदोलन का नेतृत्व किया और वचन साहित्य की स्थापना की।
- Tolkappiyam, Kurunthogai, Pattupattu are the three major Sangams of Tamil literature. / तोलकाप्पियम, कुरुन्थोगाई, पट्टुपट्टू तमिल साहित्य के तीन प्रमुख संगम हैं।
- Avvaiyar was the most famous woman poet of the Sangam age. / अव्वैयार संगम युग की सबसे प्रसिद्ध महिला कवयित्री थीं।

Question

Q11. Which of the following pairs is INCORRECTLY matched?

निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा गलत मेलित है?

[Constable Executive]

A. Shudraka : Mrichchhakatika / शूद्रक : मृच्छकटिक

B. Kalhana : Ramacharitam / कल्हण : रामचरितम्

C. Harshacharita : Banabhatta / हर्षचरित : बाणभट्ट

D. Firdausi : Shahnama / फिरदौसी : शाहनामा

SOLUTION

Correct Answer is Kalhana : Ramacharitam

- **Kalhana was a famous Sanskrit scholar and historian who composed the 'Rajatarangini'./** कल्हण एक प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान और इतिहासकार थे जिन्होंने 'राजतरंगिणी' की रचना की।
- **It is an important historical chronicle of Kashmir. /** यह कश्मीर का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक वृत्तांत है।
- **The Ramacharitam was composed by Sandhyakar Nandi, a poet from Bengal./** रामचरितम् की रचना बंगाल के कवि संध्याकर नंदी ने की थी।
- **It is an epic based on the Ramayana. /** यह रामायण पर आधारित एक महाकाव्य है।

Question

Q12. The Amaravati School of art was developed under the patronage of ----.
अमरावती कला विद्यालय का विकास ---- के संरक्षण में हुआ।

[SSC MTS 2022]

A. Cholas / चोल
B. Cheras / चेर
C. Satavahanas / सातवाहन
D. Palas / पाल

SOLUTION

Correct Answer is Satavahanas

- The Amaravati School of Art was developed under the patronage of the Satavahana dynasty./ अमरावती कला शैली का विकास सातवाहन वंश के संरक्षण में हुआ।
- This art style primarily flourished in the Krishna River valley region of Andhra Pradesh, which was the heartland of the Satavahana Empire./ यह कला शैली मुख्यतः आंध्र प्रदेश के कृष्णा नदी घाटी क्षेत्र में फली-फूली, जो सातवाहन साम्राज्य का गढ़ था।
- The Amaravati Stupa is the most famous example of this art, characterized by the use of white marble and intricate carvings depicting scenes from Buddha's life. / अमरावती स्तूप इस कला का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है, जिसकी विशेषता सफेद संगमरमर का उपयोग और बुद्ध के जीवन के दृश्यों को दर्शाती जटिल नक्काशी है।

SOLUTION

- The Satavahana dynasty ruled the Deccan region from approximately 230 BCE to 220 CE. / सातवाहन वंश ने लगभग 230 ईसा पूर्व से 220 ईस्वी तक दक्कन क्षेत्र पर शासन किया।
- Capital: pratisthan / paithan/ राजधानी: प्रतिष्ठान / पैठण
- They adopted Prakrit as their official language. / उन्होंने प्राकृत को अपनी राजभाषा के रूप में अपनाया।
- They used the Brahmi script. / उन्होंने ब्राह्मी लिपि का प्रयोग किया।
- They introduced Lead coins./ उन्होंने सीसे के सिक्के प्रचलित किए।
- Gautamiputra Satakarni was their most famous ruler, who defeated the Shakas./ गौतमीपुत्र सातकर्णी उनका सबसे प्रसिद्ध शासक था, जिसने शकों को पराजित किया।

Question

Q13. Which one of the following pairs is NOT correctly matched?

निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सही मेलित नहीं है?

[UPPCS Pre 2015]

A. Life of Hiuen Tsang – Hui-li / ह्वेनसांग का जीवन – हुई-ली

B. The Natural History – Ptolemy / नेचुरल हिस्ट्री – टॉलेमी

C. Historical Philippical – Pompeius Trogus / हिस्टोरिकल फिलिपिकल – पोम्पियस ट्रोगस

D. The Histories – Herodotus / द हिस्ट्रीज़ – हेरोडोटस

SOLUTION

Correct Answer is The Natural History – Ptolemy

- 'The Natural History' is not associated with Pliny the Elder. / 'द नेचुरल हिस्ट्री' का संबंध प्लिनी द एल्डर से नहीं है।
- It was an encyclopedic work detailing the natural history, geography, art, and society of the ancient world. / यह प्राचीन विश्व के प्राकृतिक इतिहास, भूगोल, कला और समाज का विस्तृत विवरण देने वाला एक विश्वकोश था।
- Life of Hiuen Tsang was written by his disciple Hui-li./ 'लाइफ ऑफ ह्वेन त्सांग' उनके शिष्य हुई-ली द्वारा रचित था।
- Historical Philippical is the work of Pompeius Trogus./ 'हिस्टोरिकल फिलिपिकल' पोम्पेयस ट्रोगस की रचना है।

SOLUTION

- The Histories was written by Herodotus, often called the 'Father of History'. / 'द हिस्ट्रीज़' हेरोडोटस द्वारा रचित था, जिन्हें अक्सर 'इतिहास का जनक' कहा जाता है।
- Hiuen Tsang's 'Si-Yu-Ki' (Great Tang Records on the Western Regions) is a crucial source for medieval Indian history./ ह्वेन त्सांग का 'सी-यू-की' (पश्चिमी क्षेत्रों पर महान तांग अभिलेख) मध्यकालीन भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।
- Ptolemy is famous for his work 'Geographia'./ टॉलेमी अपनी रचना 'जियोग्राफिया' के लिए प्रसिद्ध हैं।

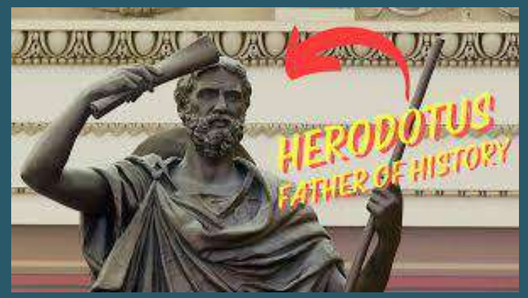

Question

Q14. Which of the following classical works of literature were written during the Gupta Era?

निम्नलिखित में से कौन-से शास्त्रीय साहित्यिक ग्रंथ गुप्त काल में लिखे गए थे?

1. Amarakosha — अमरकोश
2. Kamasutra — कामसूत्र
3. Meghaduta — मेघदूत
4. Mudrarakshasa — मुद्रा राक्षस

UPPCS Mains 2009

Codes:

(a) 1 and 2 only — केवल 1 और 2

(b) 2 and 3 only — केवल 2 और 3

(c) 1, 2 and 3 only — केवल 1, 2 और 3

(d) 1, 2, 3 and 4 — सभी 1, 2, 3 और 4

SOLUTION

Correct Answer is 1, 2, 3 and 4 — सभी 1, 2, 3 और 4

- Amarakosha is a Sanskrit thesaurus composed by Amarasimha in the court of Emperor Chandragupta II (Vikramaditya). / अमरकोश एक संस्कृत कोश है जिसकी रचना सम्राट चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) के दरबार में अमरसिंह ने की थी।
- Kamasutra is attributed to Vatsyayana, who lived during this period. / कामसूत्र का श्रेय वात्स्यायन को दिया जाता है, जो इसी काल में रहते थे।
- Meghaduta is a famous poetic work written by the great poet Kalidasa, one of the 'Nine Gems' in Chandragupta Vikramaditya's court./ मेघदूत महान कवि कालिदास द्वारा रचित एक प्रसिद्ध काव्य कृति है, जो चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के दरबार के 'नव रत्नों' में से एक थे।
- Mudrarakshasa was written by Vishakhadatta, likely in the Gupta period./ मुद्राराक्षस की रचना विशाखदत्त ने संभवतः गुप्त काल में की थी।

- Kalidasa composed great works like Abhijnanashakuntalam, Ritusamhara, and Raghuvamsa./ कालिदास ने अभिज्ञानशाकुंतलम, ऋतुसंहार और रघुवंश जैसी महान कृतियों की रचना की।
- Panchatantra by Vishnu Sharma was also composed in this era. / विष्णु शर्मा द्वारा रचित पंचतंत्र की रचना भी इसी युग में हुई।
- Gupta rulers, particularly Samudragupta, were called 'Kaviraj' (King of Poets) and were poets themselves. / गुप्त शासक, विशेषकर समुद्रगुप्त, 'कविराज' (कवियों के राजा) कहलाते थे और स्वयं कवि थे।
- This period saw the development of Sanskrit literature with the composition of dramas, epics, and prose works. / इस काल में नाटकों, महाकाव्यों और गद्य रचनाओं की रचना के साथ संस्कृत साहित्य का विकास हुआ।

Question

Q15. The Mesopotamians wrote on tablets made of ____.

मेसोपोटामिया के लोग जिन पट्टिकाओं पर लिखते थे, वे किससे बनी होती थीं?

[SSC CGL 2021]

A. Clay / मिट्टी
B. Sandstone / बलुआ पत्थर
C. Limestone / चूना पत्थर
D. Slate / स्लेट

SOLUTION

Correct Answer is Clay

- The Mesopotamian civilization used clay tablets for writing. / मेसोपोटामिया सभ्यता में लेखन के लिए मिट्टी की पट्टियों का इस्तेमाल किया जाता था।
- They would shape moist clay into flat tablets and then use a sharp, reed-like instrument called a 'stylus' to impress cuneiform script onto the surface. / वे गीली मिट्टी को चपटी पट्टियों का आकार देते थे और फिर सतह पर कीलाक्षर लिपि अंकित करने के लिए एक तीखे, सरकंडे जैसे उपकरण, जिसे 'स्टाइलस' कहा जाता है, का उपयोग करते थे।
- After writing, these tablets were either sun-dried or baked in a kiln, making them incredibly durable. / लिखने के बाद, इन पट्टियों को या तो धूप में सुखाया जाता था या भट्टी में पकाया जाता था, जिससे ये अविश्वसनीय रूप से टिकाऊ हो जाती थीं।
- Mesopotamia, located in modern-day Iraq, is often called the 'Cradle of Civilization'. The Sumerians developed the world's first known writing system, cuneiform, around 3200 BCE. / आधुनिक इराक में स्थित मेसोपोटामिया को अक्सर 'सभ्यता का पालना' कहा जाता है। सुमेरियों ने दुनिया की पहली ज्ञात लेखन प्रणाली, कीलाक्षर, लगभग 3200 ईसा पूर्व विकसित की थी।

Question

Q16. The development of Sanskrit grammar began with Panini, with his book named ----.

संस्कृत व्याकरण का विकास पाणिनि के ग्रंथ ---- से प्रारंभ हुआ।

[NTPC CBT 2]

A. Ashtadhyayi / अष्टाध्यायी
B. Lalitavistara / ललितविस्तर
C. Mahavastu / महावस्तु
D. Buddhacharita / बुद्धचरित

SOLUTION

Correct Answer is Ashtadhyayi

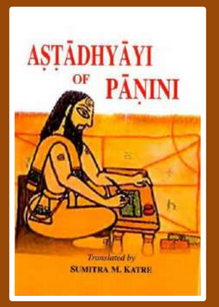

- Panini's Ashtadhyayi is considered as the foundational text of Sanskrit grammar/ पाणिनि की अष्टाध्यायी को संस्कृत व्याकरण का मूल पाठ माना जाता है
- It's regarded as the world's first grammar book. / इसे दुनिया की पहली व्याकरण पुस्तक माना जाता है।
- Lalitavistara and Mahavastu are Buddhist texts./ ललितविस्तार और महावस्तु बौद्ध ग्रंथ हैं।
- Buddhacharita is a epic poem on Buddha's life by Ashvaghosha./ बुद्धचरित अश्वघोष द्वारा लिखित बुद्ध के जीवन पर एक महाकाव्य है।
  - ✓ Katyayana कात्यायन – Varttikas वर्तिकास
  - ✓ Patanjali पतंजलि - Mahabhashya महाभाष्य

Question

Q17. Pattachitra art form is dedicated to which Lord in Hindu mythology?

पट्टचित्र कला रूप हिंदू पौराणिक कथाओं में किस देवता को समर्पित है?

[SSC CGL 2020]

A. Lord Jagannath / भगवान जगन्नाथ

B. Lord Ganesha / भगवान गणेश

C. Lord Brahma / भगवान ब्रह्मा

D. Lord Shiva / भगवान शिव

SOLUTION

Correct Answer is Lord Jagannath

- Pattachitra art form is primarily dedicated to Lord Jagannath. / पट्टचित्र कला मुख्य रूप से भगवान जगन्नाथ को समर्पित है।
- Pattachitra art is an important part of Odisha's cultural heritage. / पट्टचित्र कला ओडिशा की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- The art form is specifically associated with the Jagannath Temple in Puri, where it developed to depict stories of Lord Jagannath, Balabhadra, and Subhadra./ यह कला विशेष रूप से पुरी के जगन्नाथ मंदिर से जुड़ी है, जहाँ इसका विकास भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की कथाओं को दर्शाने के लिए हुआ था।
- The term 'Pattachitra' literally means 'picture on cloth' (Patta = cloth, Chitra = picture). / 'पट्टचित्र' शब्द का शाब्दिक अर्थ है 'कपड़े पर चित्र' (पट्टा = कपड़ा, चित्र = चित्र)।
- In 2008 year did Pattachitra receive GI tag./ पट्टचित्र को 2008 में जीआई टैग प्राप्त हुआ था।

1. Pattachitra – Odisha/WB – Cloth scrolls, Jagannath & Krishna themes.

पट्टचित्र – ओडिशा/प.बं. – कपड़े पर चित्र, जगन्नाथ-कृष्ण विषय।

2. Madhubani – Bihar – Natural colors, myth & nature themes.

मधुबनी – बिहार – प्राकृतिक रंग, पौराणिक व प्रकृति विषय।

3. Warli – Maharashtra – Tribal, white on mud walls, geometric figures.

वारली – महाराष्ट्र – जनजातीय, मिट्टी पर सफेद आकृतियाँ।

4. Phad – Rajasthan – Scroll art, stories of local deities.

फड़ – राजस्थान – पट कला, स्थानीय देवकथाएँ।

5. Kalamkari – Andhra/Telangana – Fabric art, natural dyes, epics.

कलमकारी – आंध्र/तेलंगाना – कपड़े पर चित्र, रामायण-महाभारत विषय।

6. Cheriyal Scroll – Telangana – Folk scrolls, village tales.

चेरीयाल स्क्रोल – तेलंगाना – लोककला, ग्राम्य कथाएँ।

7. Gond – Madhya Pradesh – Tribal, dots & lines, nature motifs.

गोंड – मध्य प्रदेश – जनजातीय, बिंदु-रेखा शैली, प्रकृति विषय।

8. Miniature – Rajasthan/Mughal/Pahari – Small detailed royal & myth themes.

लघुचित्र – राजस्थान/मुगल/पहाड़ी – सूक्ष्म चित्र, राजसी-पौराणिक विषय।

9. Tanjore – Tamil Nadu – Gold-foil, embossed Hindu deities.

तंजौर – तमिलनाडु – सोने की परत, उभरे देवचित्र।

10. Kalighat – West Bengal – Bold strokes, social & religious themes.

कालीघाट – पश्चिम बंगाल – गाढ़ी रेखाएँ, सामाजिक-धार्मिक विषय।

QUESTION

Q18. According to the Brihat Samhita, what do you call the process of making scents, mouth perfumes and bath powders?

बृहद् संहिता के अनुसार, सुगंध, मुख सुगंधक एवं स्नान चूर्ण बनाने की प्रक्रिया को क्या कहा जाता है?

[SSC CGL 2022]

A. Jatuka / जातुक

B. Gandhayukti / गंधयुक्ति

C. Kamplcica / कम्प्लिचा

D. Pattanga / पत्तंग

Correct Answer is Gandhayukti

- According to the Brihat Samhita, a comprehensive Sanskrit encyclopedia written by Varahamihira, the process of making scents, mouth perfumes, and bath powders is called Gandhayukti. / वराहमिहिर द्वारा लिखित एक व्यापक संस्कृत विश्वकोश, बृहत् संहिता के अनुसार, सुगंध, मुख-सुगंध और स्नान-पात्र बनाने की प्रक्रिया को गंधयुक्ति कहा जाता है।

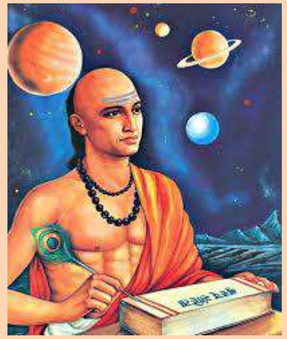

- Gandhayukti specifically refers to the art of perfumery and demonstrates the advanced knowledge of chemical processes and cosmetic arts in ancient India./ गंधयुक्ति विशेष रूप से सुगंध-निर्माण की कला को संदर्भित करती है और प्राचीन भारत में रासायनिक प्रक्रियाओं और सौंदर्य प्रसाधन कलाओं के उन्नत ज्ञान को प्रदर्शित करती है।

- This process involved complex methods of combining and processing various fragrant substances, herbs, and oils./ इस प्रक्रिया में विभिन्न सुगंधित पदार्थों, जड़ी-बूटियों और तेलों को मिलाने और संसाधित करने की जटिल विधियाँ शामिल थीं।
- Varahamihira also described mechanical devices like the Yantra Sarpa (mechanical snake) in this text./ वराहमिहिर ने इस ग्रंथ में यंत्र सर्प (यांत्रिक साँप) जैसे यांत्रिक उपकरणों का भी वर्णन किया है।

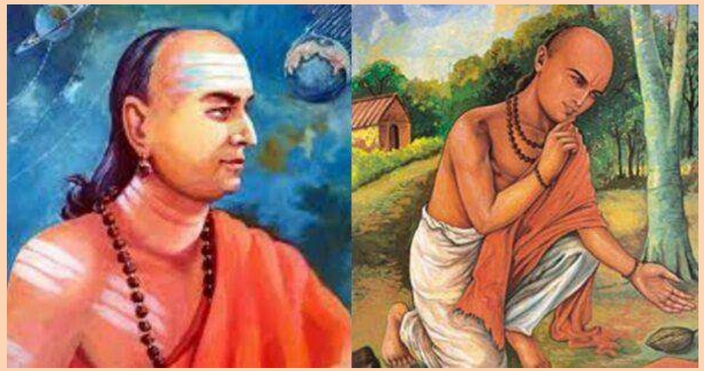

Question

Q19. _____ authored by Tolkappiyar is the earliest Tamil literature.
टोलकाप्पियार द्वारा रचित _____ सबसे प्राचीन तमिल साहित्य है।

[SSC CGL 2024]

A. Tolkappiyam / टोलकाप्पियम
B. Ettutogai / एत्तुट्टोगै
C. Kalittogai / कलिट्टोगै
D. Narrinai / नारिनै

SOLUTION

Correct Answer is Tolkappiyam

- Tolkappiyam, authored by Tolkappiyar/ तोलकाप्पियार द्वारा रचित तोलकाप्पियम
- It is a comprehensive grammatical and literary treatise that systematically outlines the rules of Tamil language, poetics, and social customs./ यह एक व्यापक व्याकरणिक और साहित्यिक ग्रंथ है जो तमिल भाषा, काव्यशास्त्र और सामाजिक रीति-रिवाजों के नियमों को व्यवस्थित रूप से रेखांकित करता है।
- Composed during the Sangam period (approximately 300 BCE to 300 CE), it serves as the foundational text for Tamil literary tradition. / संगम काल (लगभग 300 ईसा पूर्व से 300 ईस्वी) के दौरान रचित, यह तमिल साहित्यिक परंपरा का आधारभूत ग्रंथ है।
- The work is divided into three sections: / यह कृति तीन खंडों में विभाजित है:
- Ezhuthu (orthography), / एज़ुथु (वर्तनी),
- Sol (morphology), /सोल (आकृति विज्ञान),
- and Porul (subject matter). / और पोरुल (विषयवस्तु)।

Question

Q20. Which two kings fought in the Battle of Hydaspes?

हाइडस्पीस (झेलम) के युद्ध में किन दो राजाओं ने युद्ध लड़ा था?

[SSC CGL 2021]

A. Chandragupta and Dhana Nanda / चंद्रगुप्त और धनानंद

B. Alexander and Porus / सिकंदर और पोरस

C. Ashoka and Mahapadmanabha / अशोक और महापद्मनाभ

D. Mihirakula and Yasodharman / मिहिरकुल और यशोधर्मन

Correct Answer is Alexander and Porus

- The Battle of Hydaspes was fought in 326 BCE between Alexander the Great (Macedonian Emperor) and King Porus on the banks of the Jhelum River (ancient name Hydaspes). / हाइडेस्पेस का युद्ध 326 ईसा पूर्व में सिकंदर महान (मकदूनियाई सम्राट) और राजा पोरस के बीच झेलम नदी (प्राचीन नाम हाइडेस्पेस) के तट पर लड़ा गया था।
- This battle was a significant part of Alexander's Indian campaign./ यह युद्ध सिकंदर के भारतीय अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था।
- Although Alexander emerged victorious in this battle, he was so impressed by Porus's bravery that he made him an ally and restored his kingdom. / यद्यपि सिकंदर इस युद्ध में विजयी हुआ, लेकिन वह पोरस की बहादुरी से इतना प्रभावित हुआ कि उसने उसे अपना मित्र बना लिया और उसका राज्य पुनः प्राप्त कर लिया।

- After the Battle of Hydaspes, Alexander's army reached the Beas River, where his soldiers refused to march further, forcing Alexander to retreat./ हाइडेस्पीज़ के युद्ध के बाद, सिकंदर की सेना व्यास नदी तक पहुँच गई, जहाँ उसके सैनिकों ने आगे बढ़ने से इनकार कर दिया, जिससे सिकंदर को पीछे हटना पड़ा।
- Porus was a powerful ruler of the Taxila region in Punjab./ पोरस पंजाब के तक्षशिला क्षेत्र का एक शक्तिशाली शासक था।
- Accounts of this battle are recorded in the works of Greek historians Arrian and Plutarch/ इस युद्ध का विवरण यूनानी इतिहासकारों एरियन और प्लूटार्क की रचनाओं में दर्ज है।
- In 326 BCE Alexander invade India./ 326 ईसा पूर्व में सिकंदर ने भारत पर आक्रमण किया।
- Alexander dies in Babylon in 323 BCE./ 323 ईसा पूर्व में बेबीलोन में सिकंदर की मृत्यु हो गई।
- Aristotle was Alexander's teacher./ अरस्तू सिकंदर के गुरु थे।

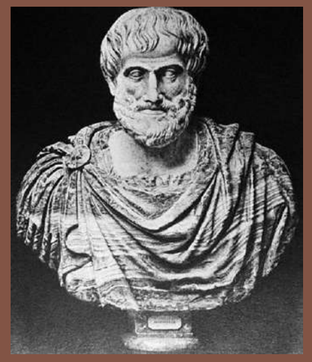

Question

Q21. Who among the following wrote the ancient text called 'Siddhant Shiromani'?
निम्नलिखित में से किसने प्राचीन ग्रंथ 'सिद्धांत शिरोमणि' की रचना की थी?

[Constable Executive]

A. Mahaviracharya / महावीराचार्य
B. Aryabhatta / आर्यभट्ट
C. Bhaskaracharya / भास्कराचार्य
D. Brahmagupta / ब्रह्मगुप्त

SOLUTION

Correct Answer is Bhaskaracharya

- The ancient text 'Siddhant Shiromani' was composed by the 12th-century renowned Indian mathematician and astronomer Bhaskaracharya II./ प्राचीन ग्रंथ 'सिद्धांत शिरोमणि' की रचना 12वीं शताब्दी के प्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञ और खगोलशास्त्री भास्कराचार्य द्वितीय ने की थी।
- Bhaskaracharya (1114-1185 CE) was one of the most influential scientists of ancient India. / भास्कराचार्य (1114-1185 ई.) प्राचीन भारत के सबसे प्रभावशाली वैज्ञानिकों में से एक थे।
- He was born during the period of the Vijayanagara Empire. / उनका जन्म विजयनगर साम्राज्य के काल में हुआ था।

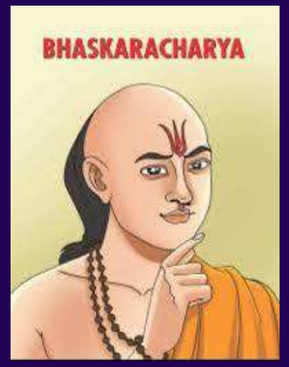

SOLUTION

- He also composed another significant work called 'Karan Kutuhal'. / उन्होंने 'करण कुतूहल' नामक एक अन्य महत्वपूर्ण कृति की भी रचना की।
- Bhaskaracharya connected division by zero with the concept of infinity and provided clear descriptions of the Earth's sphericity and its rotation on its own axis. / भास्कराचार्य ने शून्य से विभाजन को अनंत की अवधारणा से जोड़ा और पृथ्वी की गोलाकारता तथा अपनी धुरी पर उसके घूर्णन का स्पष्ट विवरण दिया।
- His works were studied by Arab and European scholars and had significant influence on the scientific revolution in Europe./ उनकी रचनाओं का अरब और यूरोपीय विद्वानों ने अध्ययन किया और यूरोप में वैज्ञानिक क्रांति पर उनका महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा।

Question

Q22. Which Indian state was in ancient history known as Kamarupa?

भारत का कौन-सा राज्य प्राचीन काल में कामरूप के नाम से जाना जाता था?

[RRB NTPC CBT]

A. Bihar / बिहार
B. West Bengal / पश्चिम बंगाल
C. Odisha / ओडिशा
D. Assam / असम

SOLUTION

Correct Answer is Assam

- The Indian state of Assam was known as Kamarupa in ancient history. / प्राचीन इतिहास में भारतीय राज्य असम को कामरूप के नाम से जाना जाता था।
- Kamarupa was a powerful ancient kingdom mentioned in the Mahabharata, Puranas, and travel accounts of Chinese traveler Hiuen Tsang. / कामरूप एक शक्तिशाली प्राचीन साम्राज्य था जिसका उल्लेख महाभारत, पुराणों और चीनी यात्री ह्वेन त्सांग के यात्रा वृत्तांतों में मिलता है।
- It was established around 350 CE by Pushyavarman and lasted until approximately 650 CE. / इसकी स्थापना लगभग 350 ई. में पुष्यवर्मन ने की थी और यह लगभग 650 ई. तक चला।
- Kamarupa was ruled by the Varman dynasty and later the Pala dynasty. / कामरूप पर वर्मन वंश और बाद में पाल वंश का शासन रहा।

- The region was famous for Tantric worship and the Kamakhya Temple, a significant center of Shakti worship. / यह क्षेत्र तांत्रिक पूजा और शक्ति पूजा के एक महत्वपूर्ण केंद्र, कामाख्या मंदिर के लिए प्रसिद्ध था।
- Ancient Indian maps depict Kamarupa with its capital at Pragjyotishpura (modern-day Guwahati)./ प्राचीन भारतीय मानचित्रों में कामरूप को उसकी राजधानी प्राग्ज्योतिषपुर (आधुनिक गुवाहाटी) के रूप में दर्शाया गया है।
- Kamarupa saw the development of Shaivism and Vaishnavism and is considered the birthplace of Assamese language and literature. / कामरूप में शैव और वैष्णव धर्म का विकास हुआ और इसे असमिया भाषा और साहित्य का जन्मस्थान माना जाता है।
- In the medieval period, this region was successfully ruled by the Ahom Kingdom./ मध्यकाल में, इस क्षेत्र पर अहोम साम्राज्य का सफलतापूर्वक शासन रहा।

Question

Q23. Vikramankadeva Charita, written by _____ a Kashmiri poet, is about the Chalukya king Vikramaditya.

_____ कश्मीरी कवि द्वारा रचित 'विक्रमांकदेव चरित' चालुक्य राजा विक्रमादित्य के बारे में है।

[Constable Executive]

A. Vakpati / वाक्पति

B. Kalhana / कल्हण

C. Jayanka / जयंका

D. Bilhana / बिल्हण

SOLUTION

Correct Answer is Bilhana

- 'Vikramankadeva Charita' is a Sanskrit epic composed by the 11th-century Kashmiri poet Bilhana. / 'विक्रमांकदेव चरित' 11वीं शताब्दी के कश्मीरी कवि बिल्हण द्वारा रचित एक संस्कृत महाकाव्य है।
- Bilhana lived in the Chalukya court and described the king's military victories, administrative skills, and cultural contributions in detail. / बिल्हण चालुक्य दरबार में रहते थे और उन्होंने राजा की सैन्य विजयों, प्रशासनिक कौशल और सांस्कृतिक योगदान का विस्तार से वर्णन किया है।
- Another famous work composed by Bilhana is 'Chaurapanchasika'. / बिल्हण द्वारा रचित एक अन्य प्रसिद्ध कृति 'चौरपंचाशिका' है।

Thank You